إسمواللوالر ممن الرحيم

AL-QURAN THE CRITERION



INTERNATIONAL
ISLAMIC PROPAGATION
CENTRE CANADA

अल-कुरआन क्या कहता है

ज़बूर के बारे में

संकलक: मुहम्मद शेख #अब्दुल्लाह #कुरआनकाबशर

28 सितंबर 2008 को IIPC कनाडा द्वारा प्रकाशित





महम्मद शेख को शेख अहमद दीदात द्वारा 1988 में डरबन .दक्षिण अफ्रीका के IPCI दवारा आयोजित दावा और तुलनात्मक धर्म पर प्रशिक्षण लेने के लिए चना गया था। इस दावा और तुलनात्मक धर्म प्रशिक्षण के परा होने पर महम्मद शेख^{ें}को IPCI दवारा एक प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया था जिसे स्वयं माननीय शेख अहमद दीदत ने प्रस्तुत किया था



सोशल मीडिया नेटवर्क

You Tube

facebook

App Store

Google play

Instagram

ÉTV

androidty

Roku

amazon fire TV



ON INVIDIA SHIELD



OTT PLAYER



Podcasts



TIKILIVE



mI Mi Box



*adoc















meanan







दान करें :-

शीर्षक:-डन्टरनेशनल इस्लामिक प्रोपेगेशन सेन्टर कनाडा 7060 मकलाउघलीं रोड. मिससीससाउगा ONL5W1W7 कनाडा

बैंक का नाम- TD CANADA TRUST

www.themuslim500.com

अकाउंट नम्बर:5042218 टांसिट नम्बर- 15972 कनाडा IBAN - 026009593

(अमेरिका से दान देने वालों के लिए) ABA026009593

स्विफ्ट कोड:TDOMCATTTOR इंसटीटयशन नम्बर- 004 शाखा का नम्बर:1597

132 मैन ST साउथ, रॉकवुड, ON NOB 2KO ,कनाडा 1-800-867-0180

अभी पंजीकरण करें



www.iipccanada.com info@iipccanada.com



पुस्तिका का परिचय पुस्तिका के बारे में यह मुहम्मद शेख द्वारा संकलित एक व्याख्यान संदर्भ पुस्तिका है यह हर विषय के व्याख्यान के अनुसार है इस प्स्तिका का उद्देश्य पाठक को क्रआन के विषय से परिचित कराना है। इसका अध्ययन स्वयं किया जा सकता है और यह हर विषय के वीडियो व्याख्यान को भी पूरा करता है जो इसके ही साथ होता है। वीडियो व्याख्यान में चर्चा के अनुसार इस प्स्तिका में विषय से संबंधित आयत (क्रआन की आयतें) हैं। व्याख्यान के बाद प्रश्न उठाए जाते हैं, और उनके उत्तर आयत द्वारा दिए जाते हैं। वीडियो व्याख्यान और उनके व्याख्यान संदर्भ पुस्तिकाएं हमारी वेबसाइट www.iipccanada.com पर उपलब्ध हैं। यहां दिए गए क़ुरआन के संदर्भ संपूर्ण नहीं हैं, लेकिन विषय का मूल सार प्रस्तुत करते हैं। इस प्रकाशन में जिन संदर्भों को बाहर रखा गया है, उन्हें किसी भी अच्छी सहमति का उपयोग करके शोध किया जा सकता है और यह पता चलेगा कि इस प्रकाशन में पेश किया गया चयन पूरे अनुक्रम में सामंजस्य स्थापित करेगा। यह आशा की जाती है कि म्स्लिम(आज्ञाकारी) पाठक इन आयतों को अपने अरबी पाठ के साथ याद करेंगे और अपने मित्रों और सहयोगियों को दावत (इस्लाम का प्रचार) में संलग्न करेंगे, और अपनी सलाह/प्रार्थना में भी इसे पढ़ सकेंगे। इस तरह, पुस्तिका रोज़मर्रा की ज़िंदगी में मुस्लिम के लिए एक उपयोगी उपकरण बन जाती है - इंशाअल्लाह। आयत का अनुवाद मुहम्मद शेख ने किया है। विषय के संबंध में किसी भी प्रश्न, टिप्पणी या सुझाव का ईमेल के माध्यम से किया जा सकता है: info@iipccanada.com

AL-QURAN THE CRITERION

मुहम्मद शेख के बारे में मुहम्मद शेख इस्लाम और तुलनात्मक धर्म पर एक सार्वजनिक वक्ता हैं। उनके व्याख्यान

कुरआन के पाठ पर आधारित हैं जो कई गलत ISLAMIC PROPAGATION धारणाओं को दूर करने, प्रामाणिक इस्लामी

मान्यताओं को प्रस्तुत करने और कुरआन के अपने आंतरिक सब्त के आधार पर तर्कसंगत और उद्देश्य विश्लेषण के लिए अपील करने का काम करते हैं। राजनीतिक या सांप्रदायिक पक्ष लिए बिना, वह लोगों को यह समझने और विश्लेषण करने के लिए कहते है कि क़्रआन सबसे पहले किसी विषय के बारे में क्या कहता है, क्योंकि यह क़्रआन है जो इस्लाम का प्रमुख आधिकारिक पाठ और अल्लाह/भगवान का वचन और मानव जाति के लिए स्पष्ट सच्चाई है। मुहम्मद शेख को कराची पाकिस्तान से शेख अहमद दीदत द्वारा 1988 में IPCI डरबन दक्षिण अफ्रीका द्वारा आयोजित दावाह और तुलनात्मक धर्म पर प्रशिक्षण से गुजरने के लिए चुना गया था। इस दावाह कोर्स के पूरा होने के बाद मुहम्मद शेख को IPCI से एक प्रमाण पत्र प्रदान किया गया था जिसे स्वयं माननीय शेख अहमद दीदात ने प्रस्तुत किया था।

AL-QURAN THE CRITERION



INTERNATIONAL ISLAMIC PROPAGATION CENTRE CANADA

IIPC-इंटरनेशनल इस्लामिक प्रोपेगेशन सेंटर के बारे में

इंटरनेशनल इस्लामिक प्रोपेगेशन सेंटर (IIPC) एक दावाह संगठन है जिसका उद्देश्य अल-कुरआन अल्लाह/भगवान की पुस्तक को

बढ़ावा देना है, IIPC की स्थापना 1987 में मुहम्मद शेख द्वारा कराची, पाकिस्तान में की गई थी। हालाँकि IIPC का वर्तमान स्थान एक पंजीकृत धर्मार्थ संगठन के रूप में रॉकव्ड, कनाडा में है। यह मुहम्मद शेख दवारा दिए गए व्याख्यानों के माध्यम से अल-कुरआन को समझने और सराहना करने के लिए सभी धर्मों और आस्था रखने वाले लोगों को आमंत्रित करता है, और यह आयोजन, मुद्रित प्रकाशनों इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रोडक्शंस, इंटरनेट टीवी द्वारा प्रसारण और इसकी वेबसाइट के माध्यम से जनता तक पहुंचने का प्रयास करता है। केंद्र अल-इस्लाम को अल्लाह/भगवान की आयत(निशानी) के आधार पर अपने प्राचीन रूप में प्रचारित करने का प्रयास करता है ताकि आम जनता मुफ्त में सीखने की सामग्री के माध्यम से अपनी गतिविधियों से लाभान्वित हो सके और वक्ता के साथ सीधे परामर्श करे अपने दैनिक जीवन में अल-क़्रआन के अभ्यास और समझ के बारे में। केंद्र का कोई राजनीतिक या सांप्रदायिक संबदधता नहीं है और यह केवल एक धर्मार्थ आधार पर फि-सबील अल्लाह चलाया जा रहा है। हम सभी मुसलमानों से अल्लाह/भगवान के लिए हमारे साथ हाथ मिलाने का अन्रोध करते हैं और दावाह के हमारे मिशन को समर्थन करने का अनुरोध करते हैं (यानी दुनिया की जनता के लिए अल-इस्लाम का निमंत्रण देने के लिए)

अल- कुरआन से हमारा सिद्धांत

याद करो जब अल्लाह/भगवान
ने उन लोगों से, जिन्हें किताब
प्रदान की गई थी, वचन लिया
था कि उसे लोगों के सामने
भली-भाँति स्पष्ट करोगे उसे
छिपाओगे नहीं।" किन्तु उन्होंने
उसे पीठ पीछे डाल दिया और
थोड़ी कीमत पर उसका सौदा
किया कितना बुरा सौदा है
जो ये कर रहे है!

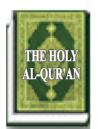
आल-ए-इमरान 3:187

पढ़!

अपने रब/भगवान के नाम के साथ अल-क़्रआन अल्लाह/भगवान की किताब

अल-कुरान से 6237 में से सिर्फ दो आयतें।

और हमने
कुरआन को नसीहत
के लिए अनुकूल
और सहज बना
दिया है। फिर क्या
है कोई नसीहत
करनेवाला?



क्या वे कुरआन में सोच-विचार नहीं करते? यदि यह अल्लाह/भगवान के अतिरिक्त किसी और की ओर से होता, तो निश्चय ही वे इसमें बहुत-सी बेमेल बातें पाते। 4:82

54:17

- *मानवता की घोषणा
- *दया और बुद्धि का झरना।
- *लापरवाह के लिए एक चेतावनी।
- *भटके ह्ए के लिए एक मार्गदर्शक।
- *संदिग्ध के लिए एक आश्वासन।
- *कष्ट के लिए एक धीरज।
- *निराश लोगों के लिए एक आशा।

पुस्तक के गुण नाम

अंग्रेज़ी	हिंदी	सूराह और आयात नंबर	अरबी	क्रमांक
THE READING	पढ़ाई	2:185	ٱلْقُرُان	01
THE LAW	कानून	5:44	اكتؤرية	02
GOOD NEWS	शुभसंदेश	3:3	ٱلْإِنْجِيْل	03
PIECE	अंश/खंड	21:105	ٱڵۯؠؙۅٝڔ	04
CRITERION	मानदंड/कसोटी	2:185	أنفرقان	05
PROOF	प्रमाण	4:174	ٱلبُرْهَانَّ	06
AUTHORITY	अधिकारी	11:96	ألسلظين	07
WISDOM	अकलमंदी/ज्ञान	2:231	أنجأة	08
GUIDANCE	मार्गदर्शन	2:2	هِ كَالِكُ عُ	09
REVELATION	अवतरण	2:185	ئا <u>ز</u> ك	10
INSPIRATION	प्रेरणा	53:4	ۇخى	11
SPEECH / WORD	वाणी/शब्द	2:75	كالخر	12
INSIGHT	अंतर्दृष्टि	6:104	بَصَآيِرُ	13
SIGNS	निशानियाँ	2:99	أيلت	14
GLORIOUS	तेजस्वी	85:21	<u>اَلْ</u> غِینُ	15
AMAZING	अद्भुत	72:1	عَجِيْبٌ	16
LIGHT	प्रकाश	5:15	ٱلنُّوْرُ	17

पुस्तक के गुण नाम

अंग्रेज़ी	हिंदी	स्रह और आयात नंबर	अरबी	क्रमांक
MOST BEAUTIFUL	अति सुंदर घटनाएं	39:23	احْسَنَ الْحَكِدِيْثُ	18
MOST BEAUTIFUL RELATIONSHIP	अति सुंदर संबंध	12:3	آخْسَنَ الْقَصَعْ	19
EXAMPLES	उदाहरण	14:25	ٱلْأَمْثَالُ	20
SERMON	उपदेश	5:46	مَوْعِظةً	21
REMEMBRANCE	स्मरण	15:9	الَدِّكُرُ	22
TABLETS	तख़ितयाँ/पट्टी	7:145	ألألواح	23
SHINE	चमक	21:48	ۻؽٳٷ	24
CLARITY	स्पष्टता	2:99	بَيِّنْتُ	25
MESSAGES	संदेश	7:62	رسِلتِ	26
THE NEWS	समाचार	3:44	الكثان	27
THE SAYING	कहावत	32:68	ٱلۡقُوۡكُ	28
PAGES	पन्ने	98:2	صُحُفُ	29
WAY	राह	45:18	ۺڔؽۼۊ۪	30
THE ORDER OF ALLAH	अल्लाह का आदेश	9:48	الركمرالله	31
THE TRUTH	सत्य	10:35	ٱلْحَقُّ	32
THE KNOWLEDGE	ज्ञान	2:145	ٱلْعِلْمُ	33

यूनुस 10

37.और ये क़ुरआन/पढ़ाई ऐसी
नहीं है कि अल्लाह/भगवान
के अलावा इसको कोई घड़
लाए और लेकिन ये तो पुष्टि
करने वाली है उसकी जो उसके
दोनों हाथों के बीच है और
अल-किताब/लिखाई का विवरण
है। उसमें कोई शक नहीं संसारों
के रब/पालनेवाले की तरफ़ से
है।

وو ۾ر يونس ١٠

وَمَاكَانَ هَٰنَ االْقُرُانُ اَنْ يُّفْتَرٰى مِنْ دُوْنِ اللهِ وَلَكِنُ تَصٰدِينَ الَّذِي بَيْنَ يَكِ يُهِ وَتَفْصِيلَ الْكِتْبِ لَارَيْبَ فِيْهِ مِنْ رَّبِّ الْعُلَمَٰيْنَ ﴿

अल-आराफ़ 7

144.उसने कहा ऐ मूसा निश्चित
ही मैंने तुझे अपने संदेशों के
साथ और अपने कलाम/शब्दों
के साथ मानवता के ऊपर चुन
लिया, बस पकड़ जो मैंने तुझे
दिया और शुक्र/कृतज्ञता करने
वालों में से हो जा।

اَلْاَعُرَافِ ٧

قال المؤسى الى الله وسك في الله على النكاس برسلتى وبكلا مى الله فنن مآ اتيتك وكن من الشررين ﴿

145.और हमने उसके लिए अलवाह/
तिख्तयों/पट्टिकाओं में हर चीज़
(सब कुछ/प्रत्येक) से प्रवचन
और हर चीज़(सब कुछ/प्रत्येक)
के लिए स्पष्टीकरण लिख दिया।
बस उसको शक्ति के साथ
पकड़ और अपने समुदाय को
आदेश कर कि वह उसको
खूबसूरती/सुंदरता के साथ
पकड़ें। मैं शीघ्र ही तुम सबको
फ़ासिक़ों/आज़ाद ख़्याल/स्वतंत्र
विचारकों का दायरा/मण्डली
दिखाऊंगा।

وَكَتَبُنَالُهُ فِى الْأَلُواحِ
مِنُ كُلِّ شَيْءٍ مَّوْعِظَةً
وَّتُفُصِيلُالِّكُلِّ شَيْءٍ مَّوْعِظَةً
فَنُ لَمَا بِقُوَّةٍ
وَأُمُرُقَوْمُكَ
يَأْخُنُ وَالِأَحْسَنِهَا لَا لَكُولُوا الْفُسِقِيْنَ ﴿
سَاوُرِيْكُمُ ذَارَالْفُسِقِيْنَ ﴿

अल-ब्रूज 85

21.किंतु वह क़ुरआन मजीद/पढ़ाई शानदार है।

22.महफ़ूज़ लौह/संरक्षित तख़ती/ पट्टिका में है।

अल-अनआम 6

91.और उन्होंने अल्लाह/भगवान की कद/मान नहीं किया जैसा कि उसकी कद/मान करने का हक है। जब उन्होंने कहा अल्लाह/भगवान ने बशर/ व्यक्ति के ऊपर किसी चीज से नहीं अवतरित किया। कहो किसने अवतरित की किताब जिसके साथ मुसा आए जो लोगों के लिए रोशनी/प्रकाश और मार्गदर्शन है तुमने उसको काग्ज़/पत्रण बना दिया तुम प्रकट करते हो उसको और छ्पाते हो अधिकांश/अधिकता से, और इल्म/ज्ञान दिया तुम्हें जो त्म नहीं इल्म/ज्ञान रखते थे तुम और ना तुम्हारे पूर्वज। कह दे अल्लाह/भगवान ने (अवतरित किया) फिर उनको उनके बेकार/व्यर्थ खेलों में छोड दो।

ٱلْبُرُوْج ٥٨

ڹڵۿۅؘڤۯٳڽ۠ۼ<u>ؚٞ</u>ؽڽؙ^ۺ

فْ لُوْجٍ مَّحُفُونِطٍ أَ

ٱلْاَنْعَامِر ٢

وَمَاقُكُ رُوااللَّهَ حَقَّ قُدُرِيْ إِذْ قَالُواماً ٱنْزَكَ اللَّهُ على بَشَرِمِّنُ شَيْءٍ قُا مُمِنَ أَنْهُ لَ الْكِتْبُ

अल-फ़ुरक़ान 25

30.और रस्ल/संदेशवाहक ने कहा ऐ मेरे रब/पालनेवाले निश्चित ही मेरी क़ौम/समुदाय ने इस क़ुरआन/पढ़ाई को पकड़ा छोड़ते हुए।

अल-मुदस्सिर 74

25.नहीं है यह बस एक बशर/ व्यक्ति का क़ौल/कहा हुआ है।

26.मैं शीघ्र उसे सक़र में डाल द्या।

27.और तुझे क्या अदराक/समझ है कि सक़र क्या है।

28.ना तो बाक़ी रखती है और ना ही छोड़ती है।

29.एक लोह/तख़ती/पट्टी जो बशर/ व्यक्ति के लिए झुलसा देने वाली/रंग बदल देने वाली है।

30.उसके ऊपर उन्नीस हैं।

أَلْفُرُقَانِ ٢٠

وَقَالَ الرَّسُولُ يُرَتِ إِنَّ قَوْمِى اتَّخَانُ وُا هٰنَ االْقَرُّانَ مُهْجُوُرًا ۞

ٱلْمُثَرِّرِ٤٧

ٳڹ۠ۿۮؘٲٳڷؖٳڰؘٷٛڶؙٲڹۺؘڔؖۛۛ

سَاصُلِيْهِ سَقَرَى

وَمَآادُرْبِكَ مَاسَقُرُهُ

الأثنقى والاتذارة

لَوَّاكُةُ لِلْبُنْرِ ۗ

عَلَيْهَا رَسْعَةً عَشَارَ اللهِ

ताहा 20

133.और उन्होंने कहा क्यों नहीं वह अपने रब/पालनेवाले से आयत/निशानी के साथ आया। और क्या उनके पास स्पष्टीकरण नहीं आया जो पहले के सहीफ़ों/पन्नों में हैं।

r. db

وَقَالُوَالُوَلِا يَا تِيْنَابِالِيَةِ مِّنَ رَّ رِبَّهُ اَوَلَمُ تَأْتِهُمُ بَرِيْنَةُ عَافِى الصُّحُفِ الْاُوْلِي ﴿ عَافِى الصَّحُفِ الْاُوْلِي ﴿

अन-नज्म 53

36.क्या नहीं वह पेंशनगोई/ भविष्यवाणी किए गए साथ जो मूसा के सहीफ़ों/पन्नों में हैं।

37.और इबराहीम के(सहीफ़े/पन्ने) जो उसने पूरे किए।

اَلْتَجُمِ ٥٣

ٱمۡرُكُمۡرِيُنَتُٱبۡمَافِيۡصُحُفِمُوسَى ﴿

وَإِبْرُهِ يُمَالُ زِي وَقِي اللَّهِ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ

अल-आला 87

18.निश्चित ही यह अवश्य पहले के सहीफ़ों/पन्नों में है। ألْكُعْلَى ٨٧

اِتَّ هٰــٰدَاكَفِي الصُّحُفِالْأُولِٰكِٰ

19.सहीफ़े/पन्ने इबराहीम और मुसा के। صُحُف إِبْرُهِ يُمْ وَمُوْسَى اللهُ

अल-बय्यिना 98

- 2.रस्ल/संदेशवाहक अल्लाह/भगवान से संदेशवाहक वह पाठ करता है शुद्ध/पवित्र सहीफ़ों/पन्नों की।
- 3.उन(पन्नों) में किताबें/लिखाइयां क़ायम/स्थापित हैं।

ٱلۡبُرۡتِيۡكَةِ ١٨

ڒڛؙۘۅٝڮ۠ؗڡؚؚۜڹؘۘٵۺ۠ۅ ؽؾ۬ڵٷؚ۠ٳڞؙڮؙڡٞٵڡٞڟۿؘڒۘڰٞ۞ٞ

ونهاكتُ قِيمَةُ اللهُ

अल-हिज्र 15

9. निश्चित रूप से, हमने ज़िक्र/ स्मरण/याददिहानी को अवतरित किया और निश्चित ही हम ही उस(ज़िक्र/स्मरण/याददिहानी) की हिफ़ाजत/संरक्षण करने वाले हैं।

अबस 80

- 11.कदापि नहीं निश्चित ही वह एक याददिहानी/स्मरण है।
- 12.बस जो कोई चाहे उससे याददिहानी/स्मरण प्राप्त कर ले।
- 13.सम्मानित सुहुफ़/पन्नों में।
- 14.बुलंद और पाक/शुद्ध किये हुए।
- 15.(आयात/निशानियों की रुह/सार/ सारांश को) अनावरण करने वाले हाथों के साथ।
- 16.करम/प्रतिष्ठित/सम्मान वाले और नेक/भले हैं।

أُنْحِجُرِ ١٥

ٳؾٵڹڂؽؙٮؙٛڒٞڶؽؗٵڶڋؚػؙۯ ۘۘۘۯٳؾٞٵڮۘ؋ػڂڣڟ۠ۅٛؽؘ۞

عَيْسَ ٨٠

ڰؙڰٚٳٙؾۿٳؾۮڮۯٷٞٞ

فَهُنَ شَاءَذَكُرَهُ 🗑

ڣٛڞؙۼڣ؆ؙؙؙؙؙؙٞڴڗۜٙڡۊؖ

مَرْفُوْعَةٍ مُّطُهِّرَةٍ إِنَّ

ڔؚٲؽؙڔؽؘڛؘٛڡؙۯۊٟۣۨۨٞۨ

كِرَامِ بَرُرَةٍ ١٠

अल-मृदस्सिर 74

52. किंतु हर एक चाहता है कि उसे खुले हुए सुहुफ़/पन्ने दिए जाएं।

53.कदापि नहीं। किंतु उन्हें आख़िरत/अंत का डर/भय नहीं है।

54.कदापि नहीं निश्चित ही यह एक यादिदहानी/स्मरण है।

55.बस जो कोई चाहे उसको याद/स्मरण कर ले!

56.और नहीं वह याद/स्मरण रख सकते सिवाय यह कि जो अल्लाह/भगवान चाहे वह तक़वा/परहेज़गारी का और क्षमा का अहल/कुल/जाति है।

اَلْمُنَازِّرِ ٧٤

ڹڵؽڔڔٛؽؚۯػ۠ڷ۠ٳڡ۫ڔۯڴؘٙٞٞڡؚڹٛۿؠؙٛ ٲؘڽؿ۠ٷٝؿٛڞ*ڰ*ڡؙٵڡؙۺۜٷؖڰٙ

كَلَّا بِلُ لَّا يَخَافُوْنَ الْأَخِرَةَ اللَّهِ

كُلْاَإِنَّهُ تَنْكِرُوا ۗ

فَهُنْ شَاءُذُكُونَا ﴿

وَمَايَنْكُرُوْنَ اِلْآانَيَّشَاءَاللَّهُ هُوَاهُلُ التَّقُوٰى وَاهْلُ الْمَغْفِرَةِ ﴿

अल-वाक्या ५६

77.निश्चित ही वह अवश्य करम वाला/सम्मानित कुरआन/पढ़ाई है।

78.किताब/लिखाई में छिपा हुआ है।

79.3स को नहीं छू सकते सिवाय जो मुताहिर/पवित्र हैं।

अल-इसरा 17

55.और तेरा रब/पालनेवाला ज़्यादा जानता है साथ जो आकाशों और धरती में है और वास्तव में हमने कुछ नबियों/ भविष्यवक्ताओं को कुछ पर फ़ज़ीलत दी/अनुग्रहित किया और हमने दाऊद को ज़ब्र्/ टुकड़ा दिया।

ٱلْوَاقِعَةِ ٥٦

ٳٮۜٞٷڵڠڒٳڹ۠ڲڔؽۣڴؗؗؗۿ

فِي كِتْبِ مُكُنُّونٍ ﴿

وكيكست الكالكظ هرون ﴿

ألِّلْ سُراءِ ١٧

وَرَبُّكَ أَعُكُمُ يِمَنْ فِى السَّلْمُوْتِ وَالْاَرْضِ وَلَقَكْ فَضَلْنَا بَعْضَ النَّبِةِنَ عَلَى بَعْضٍ وَالتَّنَا ذَاؤُذَرُ بُؤُدًا ⊛

अल-अंबिया 21

105.और वास्तव में हमने ज़बूर/
टुकड़े में लिख दिया ज़िक्र/
स्मरण/याददिहानी के बाद से
कि निश्चित ही मेरे सही करने
वाले बन्दे/नौकर धरती के
वारिस/उत्तराधिकारी होंगे।

اَلْأَنْبُيَاءِ ٢١

وَلَقَانُ كُتُبُنَافِ الزَّرُبُوْرِ مِنْ بَعُدِ الذِّرِكِرِ اَتَّ الْأَرْضُ يَرِثُهُا عِبَادِي الصَّلِحُونَ ۚ

अश-शुआरा 26

192.और निश्चित ही उसको अवश्य रब्बुल आलमीन/संसारों के पालनेवाले ने अवतरित किया है।

193.उसके साथ रुहुलअमीन/ विश्वसनीय सार/सारांश अवतरित हुआ।

194.तेरे दिल के ऊपर इसलिए कि तू ख़बरदार/सावधान करने वालों में से हो जाए। ٱلشُّعَرَآءِ ٢٦

وَإِنَّهُ لَتَ نُزِيْكُ رَبِّ الْعُلَمِيْنَ ﴿

نَزَلَ بِهِ الرُّوْحُ الْأَوْمُ الْأُولِينُ ﴿

عَلَى قَلْبِكَ لِتَكُونَ مِنَ الْمُنْفِرِيْنَ ﴿

195.स्पष्ट अरबी भाषा के साथ।

ڔڸڛٳڹۼڒڔۣؾٟٞؠؙٞڔؽڹۣ؈ؖ

196.और निश्चित ही वह अवश्य पहले के जुबुर/टुकड़ों में भी है। وَإِنَّ اللَّهُ اللَّهِ وَاللَّهُ وَلِينَ ١٠

अल-क़मर 54

43.क्या तुम्हारे कुफ़्फ़ार/इनकारी उन सबसे बेहतर हैं? या तुम्हारे लिए जुबुर/टुकड़ों में छुटकारा/ मुक्त हो जाना है। أَلْقَبُرِعَهُ

ٱػ۠ڡۜٞٵۯػؙۿڂؽؘڗۢۺۨڶٲۅڷڶٟڮػؙۄٙ ٲؗڡٛٞڷػؙۿ۬ڹڔؙٳٙٷڰ۠ڣۣٳڶڒ۠ڹؙڔؚۛ۞ۧ

44.या वह कहते हैं कि हम सबके ﴿ مُعِيمٌ مُنْكُونُ مُونِعٌ مُنْتُصِرٌ ﴿ لِعُولُونَ نَحُنْ جُمِيعٌ مُنْتُصِرٌ ﴾ सब कामयाब/सफल हैं।

52.और हर चीज़ जो वह करते हैं هرفي الزُّبُرِ وَ ज़ुबुर/टुकड़ों में है।

53.और हर छोटी और बड़ी(चीज़) صِعْدِيْرِوِّكِيْدِيْرِمِّسْتَطُرُّ किखी हुई है।

54.निश्चित ही वह जो तक्तवा/ परहेज़ करने वाले हैं बाग़ात/ बाग़ों और नेहरों में हैं। ٳڬۜٳڵؠؙؾٞڡؚؽ۬ؽڣٛڿڹ۠ؾٟۊۜڹۿڕۣ۞

55.बादशाहत और प्रभुत्व वाले के नज़दीक सच्ची महफ़िल/ सभा में हैं। ڣۣٛٛٞٛٛٛٛٛڡٞڡؙؙۼڔڝۮؚۊ ۼڹٛۘۮڡؘڶؽڮۣڡؙٞٞڨؙؾڔڔؘٟۛ

अल-इन्फ़ितार 82

- 10.और निश्चित ही तुम्हारे ऊपर मुहाफ़िज/संरक्षक नियुक्त हैं।
- 11.सम्मानित/प्रतिष्ठित लिखने वाले।
- 12.वह जानते हैं जो तुम करते हो।

अल-इसरा 17

- 13.और हर इंसान का ताइर/उड़ान हमने उसके गले में लाज़िम/ बाध्य/दायित्व कर दिया है (यानी क़ानूनी/अख़लाक/ अहकामात/हुकुम पूरा करें) और हम क़यामत/पुनरुत्थान के दिन उसके लिए किताब निकालेंगे। वह उसको नशर/ प्रसारित होती हुई मिलेगी।
- 14.पढ़ अपनी किताब आज के दिन अपना हिसाब करने के लिए तेरा नफ़्स/मनोभाव/स्वयं ही काफ़ी है।

اَلِاتِفِطَارِ ٨٢

- وَإِنَّ عَلَيْكُمْ لِكَفِظِينَ فّ
 - كِرَامًا كَاتِبِيْنَ أَنَّ
 - يَعْلَمُوْنَ مَاتَفْعُلُوْنَ 🕾

اَلْاسْراءِ ١٧

ۅۘٛڪ۠ڷٳڹ۫ڛٳڹٲڵۯؙؗۄ۫ڹۿ ڟؠڒؘٷڮٛۼؙٛؾڡؚ؋ ۅؿٛڂؙڔڿڶٷؽۅٛۯڵۊؚؽػۊؚڮڟؚٵ ؾڵڨ۠ۿؙڡؙڹٛۺٛۅٛڴٳۛ۫

> ٳڤٚۯٲڮؿۘڹڰ ڴڣؙ۬ۑڹؘؚڡٛٛڛؚڬٵڵؽٷؘؘٛٛ ؙۘۘػڶؽؙڮؘػڛؽۘڽٵؖ۫۫

अन-नहल 16

43.और हमने तुझसे पहले नहीं भेजे (रसूल/संदेशवाहक) सिवाय यह कि वह पुरुष थे। हमने उनकी तरफ़ वहयी/प्रेरणा की बस अहले ज़िक्र/स्मृति वाले परिजनों से सवाल कर लो अगर तुम इल्म/ज्ञान नहीं रखते।

44.स्पष्टीकरणों और ज़ुबुर/टुकड़ों के साथ। और हमने तेरी तरफ़ ज़िक्र/यादिदनहानी/स्मरण अवतरित किया ताकि तू स्पष्टीकरण कर दे लोगों के लिए जो अवतरित किया गया उनकी तरफ़ और ताकि वह सब फ़िक्र/चिंता करें!

أَلنَّحُولِ ١٦

ۅۘٛڡٙٲٲۯڛڶڹٵڡؚڹٛۊڹڵؚڬ ٳڒؖڔڿٵڒؖڒٷٛڿؽۧٳڵؽ۫ۿؚۮ ڣؙۺؙڵٷٙٳۿڶٳڶڹٚػٝڔ ٳڹؙػؙؙؙؙؾؙؿؙڒڗۼۛڶۘڰؙۏڹۜ۞ٞ

ڽؚاڵؠؾڹؾۏٳڶڗ۠ۘؠؙڔؖ ۅٲٮ۬ٛۯؙڵڹٵٙڷڬڮٵڵڕٚۜڴۯ ڸؿؙؠؾڹڶڵؾٵڛ ڡٵڹ۠ڒٙڶٳڵؽۿؚؠٛ ۅؙڵۘۼۘۜڰۿؙڂۯؾۘڟڰۯٷٛڹ۞

प्रश्न और उत्तर

अल-बक्ररा 2

213.इन्सानियत/मानवजाति एक ही उम्मत/जनमत है बस अल्लाह/भगवान ने अंबिया/ भविष्यवक्ता नियुक्त किए जो ख़ुशख़बरी/शुभसंदेश देने वाले और ख़बरदार/सावधान करने वाले। और उनके साथ किताब हक़ के साथ अवतरित की, ताकि वह लोगों के बीच हुकुम करें जिसमें वह मतभेद करते हैं.......

اَلۡبَقَرَةِ ٢

كَانَ النَّاسُ أُمَّةً وَّاحِكَةً اللَّهُ النَّاسُ أُمَّةً وَّاحِكَةً اللَّهُ النَّبِ بِنَ فَبَعَثَ اللَّهُ النَّبِ بِنَ مُبَشِّرِ يُنَ وَمُنْ لِرِيْنَ وَانْزَلَ مَعَهُ مُالْكِتْبَ بِالْحَقِّ لِيَحْكُمُ بَيْنَ النَّاسِ فِيْمَا اخْتَكَفُوْ إِفْ يُوْلِدٍ...

प्रश्न 1.लैक्चर से इस बात का स्पष्टीकरण होता है कि किताब एक ही है जिसमें अलवाह/तिख्तियां, सुहुफ़/पन्ने और ज़ब्र्/टुकड़ा उपस्थित हैं। क्या किसी आयत से इसका स्पष्टीकरण होता है कि सभी निबयों/भविष्यवक्ताओं को एक ही किताब दी गयी?

अल-अनआम 6

83.और वह थी हमारी हुज्जत/
वितर्क जो हमने इबराहीम को
उसकी क़ौम/समुदाय के ऊपर
दी हम बुलंद करते हैं दरजात/
पदवियाँ जिसकी हम चाहें।
निश्चित ही तेरा रब/पालनेवाला
हिकमत वाला/बुद्धिमान, जानने
वाला है।

84.और हमने इसहाक और याकूब
उसके लिए प्रदान किए हमने
हर एक को मार्गदर्शन दिया
और हमने नूह को पहले से
मार्गदर्शन दिया, और उसकी
संतान से दाऊद और सुलैमान
और अय्यूब और यूसुफ़ और
मूसा और हारून को (हमने
मार्गदर्शन दिया) और इसी
तरह हम एहसान/अच्छाई
करने वालों को प्रतिफल देते
हैं।

اَلْاَنْعَامِر ٢

ۘۅؾڶؚڬ حجَّتُنُٵٛ ٳؽڹ۠ۿٳۧٳڹڔۿؽۄؘۘڲڸۊؘۅڡؚڋ ڹۯؘڡٛۼؙۮڒڂؚؾۭۺٞڹ۫ۺٵۼ۠ ٳڹٞۯؾڮػڮؽۿؙۜۘڲڶؽۿ

وَوَهِنْنَالَةَ السَّحَى وَيَغَقُوْبُ كُلُّهُ هَكُنْنَا الْخَالِسُحَى وَيَغَقُوْبُ كُلُّهُ هَكُنْنَا اللَّهُ الكَّفُوبُ وَوَوُلُوكُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ الْمُلْمُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللْمُلِ

जारी है.....

अल-अनआम 6

86.और इसमाइल और यसा और المرادة المراد युन्स और लूत और हमने हर एक को जहाँनों/संसारों पर फ़ज़ीलत दी/अनुग्रहित किया।

87. और उनके पूर्वजों से और उनकी संतान से और उनके भाडयों से. और हमने उनको चुना और हमने उन्हें सीधे मार्ग की तरफ मार्गदर्शन दिया।

88.वह अल्लाह/भगवान का मार्गदर्शन है उसके साथ वह मार्गदर्शन देता है अपने नौकरों/ बन्दों में से जिसको वह चाहे। और अगर वह उनके बारे में शिर्क/सहभागिता करते तो जो कर्म वह करते हैं अवश्य मिटा दिए जाते।

अल-अनआम 6

89.वही लोग हैं जिनको हमने
किताब और हुक्म/हुकूमत और
नब्वत/पेशनगोई दी। बस अगर
ये लोग उसके साथ कुफ़/इनकार
करेंगे बस वास्तव में हम
वकालत/प्रतिनिधित्व करेंगे
उसके साथ उस क़ौम/समुदाय
की जो कदापि उसके साथ
कुफ़/इनकार करने वाले नहीं
होंगे।

90.वही लोग हैं जिनकी अल्लाह/ भगवान ने मार्गदर्शन दिया बस उनके मार्गदर्शन की पैरवी करो। कह दे कि मैं तुमसे उस पर प्रतिफल का सवाल नहीं करता वह नहीं है सिवाय जहानों/संसारों के लिए, याददिहानी/स्मरण है।

الأنعام

أُولِلِكَ الَّذِينَ اتَيْنَهُمُرُ الْكِتْبُواكُكُمْ وَالنَّبُوَّةَ فَإِنْ يَكُفْرُ بِهَا هَوُ لِآءِ فَقَدُ وَكَلْنَابِهَا قَوْمًا لَيْسُوا بِهَا بِكُفِرِيْنَ ۞

ٲۅڵڹٙڮٲڷڹؽؘؽۿٮؽۘٲۺ۠ ڣۿڒۘٮۿؙؗۿٳڣۛؾڽٷ۠ ڡؙٛڶڷۜڰٲڛؙٛػؙڰۿؘۼڶؽۄٲۻۘڗٲ ٳڹۿۅٳڷٳۮؚػۯؽڶؚڶۼڮؽڹ۞

जारी है.....

अज़-ज़ुमर 39

69.और ज़मीन अपने रब/पालनेवाले के नूर/प्रकाश के साथ जगमगा उठेगी, और किताब रख दी जाएगी और अंबिया/ भविष्यवक्ताओं और शुहदा/ गवाह लाए जायेंगे और उनके बीच हक़/न्याय के साथ समाप्त किया जाएगा और उन पर जुल्म/अत्याचार नहीं किया जाएगा।

70.और हर नफ़्स/मनोभाव को

उस कर्म का जो कि उसने

किया होगा पूरा पूरा दिया

जाएगा और वह (अल्लाह/
भगवान) ज़्यादा जानता है

उसके साथ जो वह करते हैं।

अल-अहक़ाफ़ 46

4.कह दो क्या तुमने देखा,
जिन्हें तुम अल्लाह/भगवान
के अलावा पुकारते हो, मुझे
दिखाओ कि उन्होंने धरती में
क्या ख़लक़/निर्माण किया, या
उनके लिए आकाशों में
सहभागिता है? मेरे पास इससे
पहले की किताब के साथ
आओ या इल्म/जान के कोई
आसार/प्रभाव लाओ अगर तुम
सच्चे हो।

اَلزُّمُر ٣٩

ۉٵۺٛۯڡٞؾؚٵڵٳۯڞٛڹڹؙۉ۫ڔۯؾؚۿ ۉۅ۠ۻۣۼٵڵٙڪؚؾ۬ٮ ۅؙڿؚٲؽ۬٤ڽٳڶڹؿؚؾڹۉٳڶۺ۠ۿڵٳٙ؞ ۅؙڨؙۻؽڹؽؙؠؙٛڎؠٳػؾ ۅۿؙۮٙڵٳؽؙڟڶؠؙٷؽؗ۞

ۅۘٷڣؚۜؽؾؗڴڷؙؽڡ۬ٝڛ؆ٵػؚڵؾٛ ۅؘۿؙۅؙٲۼٛػۯۑؚؠٵؽڣٛ**ػ**ڵٞۏٛؽ۞۫

اَلْاَحْقَاف ٢٦

ڤُڵٲڒؘٷؽڎؙٷٵؾۘڵٷۏڹٛڡڹؙۮٷ۫ڹٳڵ ٲۯٷؽ۬ڡٵڎٳڿػڨٷٳڡڹٳڵٳۮۯۻ ٲڡؙٟڬۿؙٷؿؚۯڮ۠ڣٳڶۺڣۅؾ ٳؿٷ۫ڹٛڕڮؿڛۭڡۭٞڹٛڡؙڹٛڸۿڶڒؘٲ ٳؿٷ۫ڹٛڒؾٟڡٞڹٛۼڵۄؚٳڹٛػؙٮؙٛؿؙۄ۠ۻڔۊؽؙؽ

यह्दियों और ईसाइयों के विश्वास अनुसार

	बाइबल	
नया नियम		पुराना नियम
27 पुस्तकें		ड्यूई संस्करण के 46 पुस्तकें
		किंगजेम्स संस्करण की 39 पुस्तकें
1. मैथ्यू 2. मार्क 3. ल्यूक 4. जॉन	टोरा	1. उत्पत्ति 2. निर्गमन 3. लैट्यवस्था 4. गिनती 5. व्यवस्थाविवरण

ज़बूर/साम्स

- 1.साम्स का परंपरागत लेखक दाऊद है।
- 2.साम्स में 150 गाने, और प्रशंसामय गाने, भजन और प्रार्थना उपलब्ध हैं।
- 3.पवित्र गीत/गानों के रूप में प्रशंसामय प्रार्थना और स्तुति करना जो कि बाइबिल की किताब साम्स में उपलब्ध हैं। 4.प्रशंसामय गीत/गाने और प्रशंसा करना जैसे कि भजन, कीर्तन, या देश की शान में सामुदायिक गीत या विभिन्न धार्मिक व्यक्तियों के लिए प्रशंसामय बातें कहना।

प्रश्न 3.क्या आप इस बात को नहीं मानते के तौरात, गॉस्पेल और ज़बूर/साम्स बाइबिल में उपलब्ध हैं?

अज़-ज़ुमर 39

74.और उन्होंने कहा प्रशंसा
अल्लाह/भगवान के लिए है
जिसने हमसे अपना वचन
सच कर दिया और हमें धरती
का वारिस/उत्तराधिकारी बना
दिया हम स्वर्ग में जहाँ चाहें
रहेंगे, बस कर्म करने वालों के
लिए क्या ही श्रेष्ठ प्रतिफल
है।

اَلزُّمُرِ ٣٩

ۅؘۘۘۊٵڷۅؗۘٵڂٛۮؙٮڷؚڷۅٵڷڮ۬ؽؙ ڝۘۘۮۊؙٵٷؘٷ؇ ٷٷۯؿٵٳڎۯۻ ڹؾڔۊٵؙؙؙٞڡڹٵڂٛڿؾۊ ڂؽ۬ؿؙڹۺٵڠٛ ۼۼؙۿٳؙڿۯٳڵۼؠؚڸؽڹٛ

अल-बक़रा 2

23.और अगर तुम उससे शक में ग्रस्त हो जो हमने अपने बंदे/नौकर पर अवतरित किया तो उसकी मिस्ल/अनुरूप की कोई सूरत/अध्याय के साथ आओ और अल्लाह/भगवान के अलावा अपने गवाहों को बुला लो अगर तुम सच्चे हो।

اَلُبَقَرَةِ ٢

ۅٙٳڹٛڮڬؙؿؙڎڔڣٛۯڽؙڛؚڡؚۜؠۜٵ ٮؙڒٞؽؙٵۼڵؙؙ؏ۼؠۯڹٵ ڡؙٲٷٛٳڛؙۉڔڗٟڡؚٚۻٞڝؿ۬ڶؚڎ ۅؙٳۮٷٳۺؙۿڶٲۼۘػۿ۫ڝٞڹۮؙۉڹؚٳۺڮ ٳٮؙؙػؙٮؙؙؿؙۯؙۻڔۊؠؙڹؘ۞

हूद 11

13.या वह ये कहते हैं कि उसने

उसको घड़ लिया। कह दे

उसके जैसी घड़ी हुई दस

सूरतों/अध्यायों के साथ आओ
और पुकार लो अल्लाह/भगवान
के अलावा से जो तुम्हारी
क्षमता है अगर तुम सच्चों में
से हो।

هُوُدِ ١١

ٱمۡۗ كَقُوۡلُوۡنَ افۡتَكُرِيُهُ ۚ قُلُ فَاتُوۡا بِعَتۡمُرِسُورِ مِّنۡ لِهٖ مُفۡتَرَلِيتِ وَاذۡعُوامَنِ اسۡتَطُعۡتُمۡ مِّنۡ دُوۡنِ اللهِ انۡ كُنۡتُهُ صٰ وَیۡنَ ﴿

प्रश्न 3.अल्लाह/भगवान की किताब में सूरतों/अध्यायों का क्या क्रम है?

अन-नहल 16

101.और जब हम आयत/निशानी का मकान/जगह आयत/निशानी से बदलते हैं तो वह कहते हैं कि तूने इसे घड़ लिया है और अल्लाह/भगवान ज़्यादा जानता है साथ जो वह अवतरण करता है किन्तु उनके अधिकतर नहीं जानते। اَلنِّحُلِ ١٦

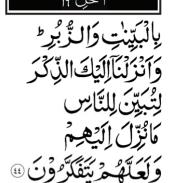
وَإِذَا بَكُ لَنَا اَيَةً مَّكَانَ اَيَةٍ وَاللّٰهُ اَعْلَمُ بِهَا يُنَزِّلُ قَالُوۡ الِنَّهَا اَنْتَ مُفْتَرِ بَلُ اَخْتُرُهُمُ لَا يَعْلَمُوْنَ ﴿ بَلُ اَخْتُرُهُمُ لَا يَعْلَمُوْنَ ﴿

102.कह दे कि रूहुल कुदुस/पवित्र रूह/सार सारांश ने उसको तेरे रब/पालनेवाले की तरफ़ से हक़/न्याय के साथ अवतरित किया है ताकि वह जो विश्वास लाए उन्हें दृढ़ क़दम कर दे और वह मुस्लिमीन/समर्पण करने वालों के लिए मार्गदर्शन और बशारत/खुशख़बरी है।

قىُلُنْزَكَ ذَرُوْحُ الْقُدُسِ مِنْ رَبِكَ بِالْحَقِّ لِيُثِبِّتَ الَّذِيْنَ امَنُوْا وَهُدًى يَ بُشُرى لِلْهُسْلِمِيْنَ ﴿

अन-नहल 16

44.स्पष्टीकरणों और जुबुर/टुकड़ों के साथ। और हमने तेरी तरफ़ ज़िक्र/यादिदहानी/स्मरण अवतरित किया ताकि तू स्पष्टीकरण कर दे लोगों के लिए जो अवतरित किया गया उनकी तरफ़ और ताकि वह सभी फ़िक्र/चिंता करें।



प्रश्न 4.स्रह अन-नहल 16 की आयत 44 से पता चलता है कि रस्ल/संदेशवाहक आकर क़ौम/समुदाय के लिए आयात/निशानियों का स्पष्टीकरण करता है! रस्ल/संदेशवाहक के ये स्पष्टीकरण कहाँ उपस्थित हैं?

अल-कुरआन क्या कहता है

मुहम्मद शेख के बारे मे

- 01. रेहान अल्लाहवाला द्वारा मुहम्मद शेख का इंटरव्य (2011)
- 02. अहमद दीदात द्वारा वैश्विक छात्रों का दावा प्रशिक्षण, IPCI डरबन SA (1988)
- 03. महम्मद शेख का कुरआन से मार्गदर्शन का सफ़र ? (2010)
- 04. म्हम्मद शेख पर जानलेवा हमला (2005)
- 05. महम्मद शेख की जबल-ए-न्र की यात्रा (2006)
- 06. महम्मद शेख दवारा किया गया हज (2006)
- 07. महम्मद शेख द्वारा किया गया उमरा (2006)
- 08.म्हम्मद शेख द्वारा खतम-ए-क्रआन की द्आ (2005 के बाद)

बह्म

- 11. महम्मद शेख की इस्माईली डॉक्टर से बहस। (1989) (उर्द)
- 12. प्रश्नोत्तर: मृहम्मद शेख और पत्रकार (2008) (उर्द्)
- 13. मुहम्मद शेख की परवेज़ी को मानने वालो से बहस (2013) (उर्द)
- 14. महम्मद शेख की दो सोमाली इमामों से बहस(अंग्रेजी) (2013)
- 15. महम्मद शेख की पादरी जेफ़री राइट से बहस (2013) (अंग्रेजी)
- 16. प्रश्नोत्तर : मुहम्मद शेख और अमेरिकी लोग (2013)(अंग्रेजी)
- 17. प्रश्नोत्तर : मृहम्मद शेख और कनाडा के लोग (2013)(अंग्रेजी)
- 18. महम्मद शेख की कनाडा में अहमदी मुस्लिमो से बहस(2013)(अंग्रेजी)
- 19. म्हम्मद शेख की म्फ्ती अब्दल बाक़ी से बहस (2016) (उर्दू)
- 20. महम्मद शेख ने दुबई के लोगों को आमंत्रित किया (2018)(अंग्रेजी)

अपने भगवान को पहचानें

- 21. अल-कुरआन क्या कहता है भगवान और भगवानों के बारे में(2011)
- 22. अल-क़रआन क्या कहता है शैतान/इब्लीस के बारे में(2004)

चुने गए व्यक्तित्व

- 23. इब्राहिम का ख़वाब(PBUH) (2011))
- 24. मुसा की किताब(PBUH) (2011)
- 25. मरयम (PBUH)(2009)
- 26. क्या मरियम अल मसीह ईसा की एकमात्र माता-पिता हैं?(PBUH) (2013)(अंग्रेजी)
- 27. अल मसीह ईसा इब्ने मर्यम(PBUH) (2006)
- 28. अल मसीह ईसा की भविष्यवाणियाँ उनके जीवन और मृत्य के बारे में। (2013)(अंग्रेजी)
- 29. मुहम्मद (PBUH) (2002)
- 30. मुसा का पहाड़ (PBUH) (2017)

अल्लाह / भगवान की किताब े

- 31. अल किताब (2011)
- 32. अल-क क्रआन(1991, 2008)
- 33. अल्लाह/भगवान की किताब (2017)(अंग्रेजी)
- 34. क्या कुरआन अल्लाह / भगवान का कलाम/शब्द है?
- 35. तोरात और इंजील (2007)(2011)
- 36. जब्र (2008)
- 37. हदीस (2005)
- 38. स्न्नत (2004)
- 00. 13*****(200**)
- 39. हिकमत (2008)
- 40. रूह (2008)
- 41. जवाने/भाषाएं (2008)
- 42. हिदायत /मार्गदर्शन (2009)

वक्ता मुहम्मद शेख के द्वारा

अपनी पहचान/खुद को जानें

- 51. मुस्लिम (1991, 2004)
- 52. अहले किताब (किताब के लोग) (2006)
- 53. बनी इसराईल (इसराईल के बेटे) (2003, 2011)
- 54. औलिया/रक्षक) (2011)
- 55. खलीफा/उत्तराधिकारी (2013)
- 56 इमाम (2013)
- 57. फिरके/संप्रदाय
- 58. मुनाफिक
- 59. यह्दी और ईसाई (2008)
- 60. अल्लाह बशर/इंसान से कैसे कलाम/बात करता है? (2019)

पारिवारिक जीवन

- 61. हिजाब/पर्दा (2011)
- 62. निकाह/विवाह (2009)
- 63. मिया बीवी/पति- पत्नी के संबंध (2011)
- 64. फाहिशा/अश्लीलता (2008)
- 65. तलाक (2009)
- 66. माता-पिता और बच्चो का संबंध (2010)

पैसे को कैसे संभालें

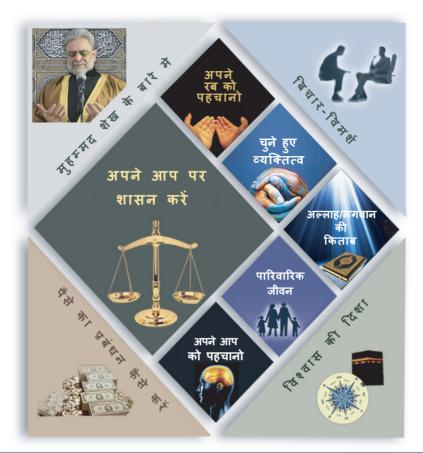
- 71. सदका और जकात/दान पुण्य (2006)
- 72. रिबा/बढोतरी (2006)
- 73 विरासत

विश्वास की दिशा

- 81. इस्लाम और मुस्लिम (पाकिस्तान अमेरिकी सांस्कृतिक केंद्र) (1991) (अंग्रेजी)
- 82. इस्लाम (2004)
- 83. इबराहीम का मजहब/धर्म (PBUH) (2010)
- 84. सीधा रास्ता (2013)
- 85. सिफारिश (2010)
- 86. कावा और क़िब्ला (2007)
- 87. मस्जिद (2013)
- 88. सलाह/प्रार्थना (2011)
- 89. महतर्म महीने/वर्जित महीने (2006)
- 90. रोजा/व्रत (2008)
- 91. उमरा और हज (2013)
- 92. उम्म-उल-क्रा/शहरों की मां (2019)

हकुम वाली आयात से अपने आप को नियंत्रित करे

- 101. जिहाद/संघर्ष (2006)
- 102. कत्ल/शारीरिक हत्या (2005)
- 103. नफसियाती कत्ल/मनोवैज्ञानिक हत्या (2010)
- 104. देहशतगरदी/आतंकवाद (2006)
- 105. जंग/यृद्ध (2006)
- 106. किसास/बदल (2012)
- 107. नफसियाती जख्मों की तसल्ली/मानसिक दर्द की तसल्ली (2012)
- 108. अखलाक/अच्छा व्यवहार



□ एक गैर-लाभकारी धर्मार्थ संगठन है जो जरूरतमंदों, अनाथों, गरीबों और बेघरों की मदद करने में व्यस्त है, चाहे उनका धर्म और रंग कुछ भी हो। अंसाररुल्लाह / अल्लाह के सहायक बनने के लिए हमारे साथ हाथ मिलाएं, स्वयंसेवक बनें और दावा के हमारे मिशन का समर्थन करें, यानी दुनिया की जनता के लिए अल-इस्लाम का निमंत्रण। अल्लाह आपको पुरस्कृत करे और इस दुनिया में और उसके बाद (आमीन) आपकी उदारता के लिए आशीर्वाद दे।

दान करे ओर संपर्क करे :www.iipccanada.com/donate/

